शैंपू-कंडीशनर दें बालों को सुरक्षा

मई, 1908 में 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में 'सिंपल रूल्स' बालों को कैसे शैंपू करें इस पर लेख प्रकाशित हुआ था। यह लेख स्पष्ट रूप से यह दर्शा रहा था कि हर महिला अपने बालों को साफ, सिल्की और सुंदर बनाकर रखना चाहती है जिसकी बदौलत बालों का शैंपू उनकी जीवनचर्या का एक ज़रूरी हिस्सा बन गया है। बाल संवारने वाले (हेयर ड्रेसर) से आप बालों की सुरक्षा कराएं या फिर खुद अपनी ही कोशिश से उन्हें संवारें, शैंपू करें। बालों को साफ करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शैंपू और कंडीशनर बालों को सुंदर, सिल्की बनाने के लिए कितने सक्षम और बेहतर हैं इसके लिए उपभोक्ता अब बहुत जागरूक हो गए हैं। बालों की देखभाल के लिए 19 वीं सदी से अब तक बहुत से उत्पाद आ गए हैं। 'कंस्यूमर वॉयस' अपने पाठकों को शैंपू और कंडीशनर के विभिन्न ब्रांड की परीक्षण जांच द्वारा उनके परिणाम से अवगत करा रही है।

शैंपू एक तरह से बालों का सुरक्षक है जो गंदगी और तेल से बालों को निजात दिलाता है। सामान्य, रूखे एवं तेलीय बालों के लिए शैंपू अलग–अलग श्रेणियों में मिलते हैं, लेकिन सभी का दावा कहीं न कहीं एक ही होता है कि यह शैंपू अच्छे से बाल साफ़ करके मुलायम व चमकदार बनाता है। शैंपू की कुछ श्रेणियां ऐसी भी हैं जिनमें जूं मारने और पूरी तरह उनसे निजात दिलाने के लिए, रूसी भगाने के लिए कुछ विशेष घटक मिलाए जाते हैं जिससे सिर में जमी हुई सफेद रूसी की परत भी निकल जाती है। कई शैंपू की विशेषता है कि इससे बाल कम झड़ते हैं वहीं बच्चों के शैंपू बहुत ही हल्के (सौम्य) होते हैं। कुछ गाढ़े पदार्थ वाले शैंपू जो बालों को भारी रखते हैं और कुछ शैंपू बालों को मुलायम बनाते हैं। शैंपू के कई ब्रांड जिनमें कंडीशनर मिला होता है 'टू इन वन' विशेषताओं के साथ बाज़ार में उपलब्ध हैं।

आधुनिक समय के अनुसार शैंपू का भी मॉर्डन होना लाज़िमी है और इसके लिए शैंपू में रासायनिक पदार्थ, खुशबू का प्रयोग तो मूल रूप से किया ही जाता है साथ में सिर में जलन और खुजली न हो, बाल देखने में घने एवं चमकदार लगें इन बातों का भी ध्यान रखा जाता है।

तुलनात्मक परीक्षण

शैंपू का अभिप्राय/उद्देश्यः

- बालों को जड़ों तक अच्छे से साफ़ करना।
- बालों को दिखने में और आकर्षित बनना।
- बालों को कंघी करने में सुगम बनाना।

रैंक	शैंपू	विशेष स्वरूप	कंडीशनर	वशेष स्वरूप
1.	क्लीनिक प्लस	स्ट्रांग एंड लांग	क्लीनिक प्लस	सॉफ्ट एंड सिल्की
2.	हेड एंड शॉल्डर (एच एंड एस)	सिल्की ब्लैक	हेड एंड शॉल्डर (एच एंड एस)	एंटी–हेयरफॉल
3	सनसिल्क	टेडी थिक एंड लांग	सनसिल्क	टेडी चार्ल्स
4.	डव	डैमेज थेरेपी	डव	हेयर थेरेपी
5.	पैंटीन	सिल्की स्मूथ केयर	पैंटीन	स्मूथ केयर
6.	रेवलॉन	जेंटल क्लिनज़िंग	रेवलॉन	पेंथेनोल ऑयली फ़्लेक्स
7.	गार्नियर फ्रूक्टस	लांग एंड स्ट्रांग	गार्नियर फ्रूक्टस	फोर्टिफाइंग
8.	लॉरियल पेरिस	स्मूथ एंड इंटेस	लॉरियल पेरिस	स्मूथ एंड इंटेंस
9.	हिमालया हर्बल	प्रोटीन	हिमालया	प्रोटीन
	शैंपू के साथ निर्मित कंडीशनर			
1.	लोटस हर्बल	केरा वेदा	–	लागू नहीं
2.	जोविस	हनी एण्ड एप्पल	–	लागू नहीं
3.	बॉयोटिक	बॉयो ग्रीन एप्पल	–	लागू नहीं

बेहतर ख़रीद – क्लीनिक प्लस

कीमत में किफ़ायती – क्लीनिक प्लस

जांच के मुख्य परिणाम :

- क्लीनिक प्लस ब्रांड पूर्णतः जांच में सबसे अव्वल रहा, इसके बाद हेड एंड शॉल्डर, सनसिल्क और पैंटीन रहे और सबसे निचले स्तर पर बायोटिक रहा।
- डव ब्रांड (15.45) अंकों के साथ सबसे ज़्यादा असरदार रहा, इसमें सर्फकटैंट (बालों को सतह तक साफ करने की क्षमता) की मात्रा पाई गई इसके बाद हेड एंड शॉल्डर (14.65) क्लीनिक प्लस (14.23) और सनसिल्क (14.02) रहे।
- लोटस हर्बल(6.62), जोवीज़ (5.19) और रेवलॉन (5.15) ब्रांड के कंडीशनर में सबसे अधिक मात्रा में कुल वसा की मात्रा पाई गई।
- गार्नियर फ्रूक्टस (190 मि.ली.) और हेड एंड शॉल्डर शैंपू में सबसे अधिक झाग पाए गए। भारतीय मानक के अनुसार शैंपू में कम से कम 150 मि.ली. तक झाग की मात्रा होनी चाहिए।
- सभी ब्रांड के शैंपू और कंडीशनर इस्तेमाल करने के लिए सुरक्षित रहे। परीक्षण में भारतीय मानक के निर्देशों के आधार पर ही धातुओं का प्रयोग किया गया था।
- कीमत के आधार पर सबसे किफ़ायती ब्रांड क्लीनिक प्लस रहा।

सबसे महंगा/सबसे सस्ता ब्रांड

परीक्षण समूह ने 10 ब्रांड के शैंपू की जांच की कौन सा इस्तेमाल करने में सबसे महंगा है और कौन सा सस्ता। लोटस हबर्ल सबसे महंगा और इसके बाद बायोटिक और हेड एंड शॉल्डर। सबसे सस्ता ब्रांड रेवलॉन और इसके बाद क्लीनिक प्लस रहा।

जांच के मापदंड :

प्रभावशाली तरीके से साफ़ करने वाले घटक (अपमार्जक, एक्टिव डिटर्जेंट) SLES : यह शैंपू को बालों की सतह पर लगाने की परेशानी को कम करता है और आसानी से बालों में लग जाता है।

कुछ लोग खासकर महिलाएं अकसर नियम बनाकर बालों को शैंपू करती हैं कि सप्ताह में दो या तीन बार शैंपू करना है या रोज़ अथवा सप्ताह में एक बार ही शैंपू करना है, लेकिन बालों के लिए उनका यह नियम बनाना गलत है क्योंकि बालों के लिए यह हमेशा ध्यान रखें कि उन्हें काफी धूल धुएं आदि का सामना करना पड़ा है। इसलिए नियम बनाकर अपने बालों को शैंपू से न धोएं क्योंकि ऐसा करने से आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने वाले आपके बालों की चमक और आकर्षण खत्म हो सकता है।

गैर वाष्पशील घुलनशील पदार्थ : भारतीय मानक के अनुसार गैर वाष्पशील पदार्थ की न्यूनतम मात्रा 10 प्रतिशत द्रव्यमान तक मिला सकते हैं। सभी ब्रांड इस जांच में सफल रहे। डव ब्रांड में घुलनशील पदार्थ की मात्रा 16.9 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक रही। इस परीक्षण में हिमालय हर्बल ब्रांड ने 2.97 अंक प्राप्त किए। अन्य सभी ब्रांड में भी इस पदार्थ की मात्रा 10 प्रतिशत के अंतर्गत ही पाई गई।

क्या है pH (अम्ल की माप): pH एक संख्यात्मक मूल्य है जो किसी भी विलियन की अम्लता का माप होता है। 25 डिग्री सेल्सियस के पानी में घुले पदार्थ में अम्ल की मात्रा सात से कम होने पर अम्लीय माना जाएगा और अम्ल की मात्रा सात से अधिक पाई जाने पर यह क्षारीय माना जाएगा। भारतीय मानक के अनुसार शैंपू में अम्ल की मात्रा 4.0–9.0 के बीच होनी चाहिए। ब्रांड हेड एंड शॉल्डर और जोवीज़ में सबसे अधिक अम्ल की मात्रा 6.84 और 6.62 पाई गई।

झाग की मात्रा : उपभोक्ता शैंपू में झाग की मात्रा ज़्यादा से ज़्यादा होने पर ही अच्छा मानते हैं क्योंकि बालों में शैंपू करने पर सबसे अधिक झाग ही दिखाई देते हैं। भारतीय मानक के अनुसार शैंपू से निकलने वाले झाग कम से कम (150 मि.मि.) तक होने चाहिए। परीक्षण किए गए शैंपू के सभी ब्रांड में झाग की मात्रा 150 मि.मि. से अधिक पाई गई, लेकिन हेड एंड शॉल्डर और गार्नियर में सबसे ज़्यादा मात्रा में झाग पाए गए।

शैंपू का गाढ़ापन : शैंपू को बोतल से निकालते समय ही उसके गाढ़ेपन का पता चलता है। शैंपू जितना अधिक गाढ़ा होता है उतना ही अधिक अच्छा माना जाता है। बालों के शैंपू का गाढ़ापन जांचने के लिए इसका कई स्तर पर परीक्षण किया गया। हिमालया हर्बल, जोवीज़ और लॉरियल पेरिस को कम अंक दिए गए। लेकिन क्लीनिक प्लस, गार्नियर और लोटस हर्बल में सबसे अधिक गाढ़ापन पाया गया।

अणुजीविक जांच : शैंपू बालों की सुंदरता बढ़ाने वाला उत्पाद माना जाता है जो सीधे तौर पर मनुष्य के सिर के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए इसमें किसी प्रकार से जैविक दूषित करने वाला पदार्थ नहीं होना चाहिए। सूक्ष्मजैविक जांच करने के लिए बालों के शैंपू में दो मापदंड TVC (कुल जीवनक्षम अंक) और ग्राम–नकारात्मक जीवाणु मुख्यतः जांचे गए। इस जांच में किसी भी ब्रांड में TVC (कुल जीवनक्षम अंक) और ग्राम–नकारात्मक जीवाणु दोनों नहीं पाए गए।

तुलनात्मक परीक्षण

कंडीशनर को इस्तेमाल करने का उद्देश्य

शैंपू तो बालों को अच्छा और आकर्षक बनाते ही हैं लेकिन बालों की इस सुंदरता के लिए हमें कंडीशनर की ज़रूरत होती है। कंडीशनर बालों को चमकदार बनाता है, इससे इस्तेमाल से कंघी करने में आसानी, बाल उलझते नहीं हैं और बाल ज़्यादा देर तक खुले रखने पर भी खराब नहीं होते। अपने बालों की श्रेणी (सामान्य, रूखे या तेलीय) के अनुसार ही शैंपू का इस्तेमाल करना चाहिए। शैंपू बालों को पूरी तरह से साफ़ करता है और कंडीशनर बालों के **pH** स्तर का संतुलन बनाए रखने में सहयोग करता है।

शैंपू का इस्तेमाल करने का उद्देश्य

बालों को कैसे और कितनी बार धोना है मूल रूप से तो यह उपभोक्ता का अपना निजी फ़ैसला है, लेकिन यदि आप ज़्यादा खराब पर्यावरण में रहते हैं तो ऐसे में आपके लिए बालों को जल्दी–जल्दी धोना ही बेहतर उपाय है। सामान्य बालों के लिए सप्ताह में दो या तीन बार शैंपू कर सकते हैं।

कंडीशनर के जांच मापदंड :

वॉयस ने प्रयोगशाला में कंडीशनर की गुणवत्ता और कार्य निष्पादन की जांच की।

ऊष्मीय स्थिरता : इसमें अलग–अलग तरह के उपकरणों का मिश्रण होता है जो विशेष रूप से अधिकतम तापमान पर उत्पाद की समानता को परखता है। सभी ब्रांड में ऊष्मीय स्थिरता अच्छे स्तर पर पाई गई जिसमें सभी कंडीशनर ने इस जांच को सफलता पूर्वक पास कर लिया।

अच्छे कंडीशनर का प्रमुख कार्य – आपके बालों को टूटने से बचाना।

बाजार में मुख्य दो प्रकार के कंडीशनर मिलते हैं –

(क) वॉश आउट कंडीशनर– इस प्रकार के कंडीशनर बालों को चिपचिपा होने से और टूटने से रोकते हैं।

(ख) प्रोफाउंड कंडीशनर या लीव–इन कंडीशनर– ये सिर की त्वचा की परत को मजबूत बनाते हैं। ये ऐसे लोगों के लिए बेहतर लाभ करते हैं जो अपने बालों को रोजाना ही ब्लॉक ड्राईंग, स्ट्रेटनिंग या कर्लिंग करना पसंद करते हैं। विशेषज्ञों की राय में महिलाओं को हमेशा प्रोटीन से भरपूर कंडीशनर ही चुनना चाहिए जो हेयर क्युटिकल्स को लचीलापन देते हुआ बालों को 10 से 15 फीसदी अधिक मजबूत बनाता हो।

कंडीशनर में कितनी नमी : कंडीशनर में नमी की मात्रा सबसे महत्वपूर्ण होती है। नमी के माध्यम से ही कंडीशनर बालों में लगाते समय वह बालों में एक समान लगाया जा सकता है। सभी ब्रांड में नमी की मात्रा संतुलित पाई गई। इस जांच में सनसिल्क ब्रांड का कंडीशनर सबसे अच्छा पाया गया।

कुल वसा : कंडीशनर में वसा विशेष मिश्रण के रूप में पायी जाती है। बालों को शैंपू से धोने के बाद कंडीशनर में मिश्रित वसा के माध्यम से जो तत्व मिलते हैं इससे बाल मुलायम और चमकदार हो जाते हैं। सभी ब्रांड में पर्याप्त मात्रा में वसा पदार्थ पाया गया।

बालों पर एक समान लगना : बालों में कंडीशनर लगाने का मानदंड इसलिए महत्व रखता है कि उसे कितनी आसानी से बालों में लगा पा रहे हैं। कंडीशनर बालों में ऊपर से नीचे की ओर आसानी से लग जाता है तो यह कंडीशनर का सबसे अहम उपयोग माना जाता है। सभी ब्रांड के कंडीशनर को बालों में लगाने में कोई परेशानी नहीं हुई।

pH (अम्ल की माप) : कंडीशनर में **pH** की मात्रा उदासीन होनी चाहिए। इसमें **pH** की मात्रा के लिए कोई सुनिश्चित मानक नहीं है इसलिए इसकी संतुलित मात्रा के आधार पर ही सभी कंडीशनर की जांच की गई। हिमालया हर्बल कंडीशनर में **pH** की सबसे संतुलित मात्रा पाई गई।

कंडीशनर का गाढ़ापन : कंडीशनर का गाढ़ापन तरल बहाव को रोकता है। इसलिए कंडीशनर में गाढ़ापन होना बहुत जरूरी है।

अणुजीवी जांच : कंडीशनर एक प्रसाधन सामग्री है जो उपभोक्ताओं द्वारा सीधे प्रयोग की जाती है। इसलिए इसमें किसी प्रकार से जैविक दूषित करने वाले पदार्थ नहीं होने चाहिए। सूक्ष्मजैविक जांच करने के लिए बालों के शैंपू में दो मापदंड TVC (कुल जीवनक्षम अंक) और ग्राम–नकारात्मक जीवाणु मुख्य तौर पर जांचे गए। सूक्ष्मजैविक जांच के लिए जो निर्देश दिए गए हैं उसी के आधार पर की गई जांच में सभी ब्रांड के कंडीशनर सफल रहे।

पैकेजिंग के लिए ज़रूरी है –

भारतीय मानक के अनुसार शैंपू और कंडीशनर प्लास्टिक या कांच की बोतल में या किसी अन्य अनुकूल बोतल में भरकर पैक किया जाना चाहिए। ब्रांड बायोटिक, जोवीज़ और लोटस हर्बल को छोडकर बाकी सभी शैंपू के ब्रांड पूरी तरह से सील नहीं थे।

HDPE से निर्मित शैंपू की बोतलें : परीक्षण में बोतल की जांच करने पर पाया गया कि पैकिंग के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बोतल इस प्रकार के उपकरण से बनाई गई थी कि उसके खाली होने पर दोबारा किसी भी काम के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है। शैंपू के सभी ब्रांड की बोतल के निर्माण में HDPE का इस्तेमाल भी किया गया था। सभी ब्रांड के शैंपू की पैकिंग में दो तरह की बोतलों का प्रयोग किया गया था एक तरीका जिसमें बोतल पर लगे ढक्कन को दबाने पर आसानी से शैंपू निकल सकता है और दूसरा तरीका जिसमें ढक्कन को खोलकर तिरछा करने पर शैंपू बाहर निकलता है।

शैंपू की बोतल का दोबारा ऐसे करें इस्तेमाल : शैंपू की बोतल खाली हो जाने पर उसे धोकर बालों में लगाने वाला तेल भी भर सकते हैं या कोई भी उपयोगी वस्तु जो PVC पॉली पैक में आती है उसके लिए प्रयोग कर सकते हैं।

कंडीशनर किया गया था ट्यूब में पैक : कंडीशनर की जांच करने के लिए विशेष रूप से कोई भारतीय मानक नहीं दिया गया है इसलिए शैंपू के लिए जो मानक दिया गया है उसी के आधार पर ही कंडीशनर के ब्रांड की भी जांच की गई। कुछ ब्रांड के कंडीशनर को नरम ट्यूब में पैक किया गया

था और कुछ कंडीशनर गार्नियर फ्रूक्टस, हिमालया हर्बल, लॉरियल पेरिस, पैंटीन और रेवलॉन ने बोतल का इस्तेमाल किया था जिन्हें आसानी से दोबारा भी प्रयोग में लाया जा सकता है।

लेबलिंग और मार्किंग :

शैंपू और कंडीशनरः सभी ब्रांड के शैंपू और कंडीशनर पर भारतीय मानक के अनुसार लेबल और मार्किंग की गई थी। सिर्फ जोवीज़ ब्रांड के शैंपू ने मिश्रित उपकरणों की सूची नहीं दी हुई थी। लोटस हर्बल शैंपू ने उत्पादक तिथि (Mfg date) नहीं लिखी थी। रेवलॉन के शैंपू और कंडीशनर के लेबल पर कीमत नहीं दी थी दुकानदार ने अपनी ही एमआरपी की पर्ची बोतलों पर लगाई हुई थी, अन्य ब्रांड के कंडीशनर के लेबल और मार्किंग पूरी तरह ठीक पाए गए।

शैंपू करने के बाद कंडीशनर भी लगाएं

यह निर्भर करता है कि आपके किस तरह के बाल हैं। यदि आपके बाल मोटे और रूखे हैं तो आपको मुख्य रूप से शैंपू करने के बाद कंडीशनकर का प्रयोग करना चाहिए। बालों में शैंपू करके धोने के बाद तीन से पांच मिनट के लिए कंडीशनर को बालों में लगाकर रखना ज़रूरी होता है फिर बालों को पानी से तब तक धोएं जब तक बालों से निकलने वाला पानी एकदम साफ़ न आने लगे। सूखने पर बाल आकर्षक और मुलायम हो जाएंगे तथा कंघी करने में भी आसानी रहेगी।

प्रयोगशाला जांच का आधार

यह जांच भारतीय मानक के अनुसार शैंपू के लिए बने आईएसः 7884–2004 नियम के आधार पर की गई। भारतीय मानक के अलावा अन्य विशेष मापदंडों के अनुसार भी जांच की गई। साथ ही ऐसे शैंपू जो भारतीय मानक ब्यूरो के मानकीकरण के अनुसार नहीं है उन्हें भी प्रयोगशाला जांच में उपभोक्ताओं की वरीयता और उनकी स्वीकृति के आधार पर शामिल किया गया।

परीक्षण में शामिल शैंपू और कंडीशनर

वॉयस ने शैंपू के बारह और कंडीशनर के नौ ब्रांड के विभिन्न रूपों में से सिर्फ एक–एक विशेष स्वरूप का ही परीक्षण किया।

विभिन्न मापदंडों की जांच की गई

वॉयस द्वारा विभिन्न मापदंडों की जांच स्वतंत्र रूप से प्रयोगशाला में परीक्षण विशेषज्ञों द्वारा की गयी, जिसके परिणाम विभिन्न प्रकार से हैं :

शैंपू और कंडीशनर की कार्यनिष्पादन जांच

शैंपू की कार्य निष्पादन जांच के लिए उसे बालों पर प्रयोग करके ही जांचा गया। शैंपू बालों को धोने के लिए ही इस्तेमाल किया जाता है इसलिए प्रयोगशाला जांच के साथ कार्य निष्पादन जांच भी ज़रूरी थी। राष्ट्रीय मानक संगठन ने कार्य निष्पादन जांच करने के लिए मार्गदर्शिका बनाई हुई है *कंस्यूमर वॉयस* ने भी मार्गदर्शिका के आधार पर शैंपू के कार्य निष्पादन की जांच की। अलग–अलग मापदंडों की जटिल शुद्धता की जांच के पैनल समूह के कुछ सदस्यों द्वारा की गई थी। पैनल ने शैंपू के सभी ब्रांड की जांच करने के लिए तिरूपति मंदिर से महिलाओं के बाल मंगाए। यह जांच प्रसिद्ध प्रसाधन शोध केंद्र में की गई थी जिसमें प्रतिदिन कई तरह की प्रसाधन सामग्रियां शैंपू और कंडीशनर आदि की जांच की जाती है।

यह परीक्षण उपभोक्ताओं द्वारा समांतर रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले इन 12 शैंपू और कंडीशनर पर की गई थी। सभी ब्रांड के शैंपू और कंडीशनर का प्रयोग बालों के नमूनों पर किया गया था कि वे प्रयोग करने में कैसे हैं, बालों को सही तरीके से साफ करते हैं, झाग की गुणवत्ता कैसी है, बालों को धोने के बाद कंघी आसानी से हो जाती है, बालों में चमक आती है, मुलायम रहते हैं या नहीं, बालों को अच्छी तरह जड़ों से लेकर निचले सिरे तक साफ़ करता है आदि। उसकी सुगंध, इस्तेमाल करने के बाद बालों से किस तरह की खुशबू कितनी देर तक रहती है, कंडीशनर का क्या प्रभाव है इत्यादि। प्रत्येक ब्रांड के शैंप और कंडीशनर की जांच पांच तरह के एक ही लंबाई वाले बालों के नमूनो पर की गई।

संवेदी परीक्षण

शैंपू और कंडीशनर का संवेदी परीक्षण करने के बाद पाया गया कि सभी ब्रांड के शैंपू बालों को ठीक से साफ़ करने में सक्षम थे। बायोटिक, जोवीज़, लोटस हर्बल ब्रांड के शैंपू को संवेदी जांच में अन्य ब्रांड के शैंपू की अपेक्षा कम अंक मिले। क्लीनिक प्लस, पैंटीन और सनसिल्क इन तीनों ने संवेदी परीक्षण में खासकर बालों को अच्छी तरह से साफ़ करने की क्षमता, बालों को धोने के बाद उनकी खुशबू आदि में बेहतर परिणाम के साथ सबसे अधिक अंक प्राप्त किए। बायोटिक, जोवीज़, लोटस हर्बल, हिमालया हर्बल और रेवलॉन में हल्की खुशबू पाई गई वहीं क्लीनिक प्लस, गार्नियर, हेड एंड शॉल्डर, पेंटीन, सनसिल्क में उपभोक्ताओं को अच्छी लगने वाली और बालों में काफी देर तक रहने वाली सुगंध पाई गई जिसके लिए इन्हें अधिक अंक दिए गए।

12 ब्रांड के शैंपू में तीन ब्रांड (शैंपू विद कंडीशनर) के थे जिन शैंपू में पहले से ही कंडीशनर मिला हुआ था। संवेदी जांच में बायोटिक, जोवीज़ और लोटस हर्बल शैंपू को इस्तेमाल करने के बाद सबसे कम अंक मिले। यह बात अलग है कि इन तीनों ब्रांड के शैंपू को इस्तेमाल करने से पानी और समय दोनों की बचत होती है लेकिन उपभोक्ता को इसे इस्तेमाल करने के बाद वह संतुष्टि नहीं मिली जो बालों को शैंपू करने के बाद अलग से कंडीशनर से स्वाभाविक तौर पर मिलनी चाहिए, साथ ही इन शैंपू की खुशबू भी बहुत ज़्यादा अच्छी नहीं पाई गई तथा बालों में इनकी खुशबू लंबे समय तक भी नहीं रही।

परीक्षण समूह द्वारा की गई जांच के परिणाम में क्लीनिक प्लस ब्रांड को उपभोक्ताओं के इस्तेमाल करने के लिए सबसे बेहतर शैंपू पाया गया और बायोटिक को सबसे कम अंक मिले जिसके कारण यह सबसे निचले स्थान पर रहा। शैंपू को बालों पर लगाकर उसका आंकलन किया गया इस जांच में भी क्लीनिक प्लस ही सबसे अव्वल रहा और बायोटिक को इनमें सबसे कम अंक मिले।

वॉयस के परीक्षण में कंडीशनर की संवेदी जांच के आकलन में गार्नियर फ्रूक्टस को सबसे कम और सनसिल्क को सबसे अधिक अंक मिले। शैंपू करने के बाद कंडीशनर करके बाल सूख जाने पर कितनी आसानी से कंघी की जा सकती है, बाल मुलायम रहते हैं, उलझते तो नहीं है, बाल कितने घने और चमकदार दिख रहे हैं, बालों से तेल पूरी तरह से निकल गया है आदि की जांच की गई जिसके परिणाम में पाया गया कि पैंटीन ब्रांड इसमें अव्वल रहा और इसके बाद सनसिल्क और बायोटिक ब्रांड सबसे निचले स्थान पर रहे। बालों को धोने के बाद कंघी करके एक–एक घंटे बाद यह जांच की गई कि बालों में तेल का चिपचिपापन या सुगंध तो नहीं है। इस परीक्षण के परिणाम में क्लीनिक प्लस ने सबसे बेहतर परिणाम दिए, इसकी सुगंध भी बालों में देर तक बनी रही। इसके बाद सनसिल्क दूसरे स्थान पर रहा और लोटस हर्बल को इस जांच में सबसे कम अंक मिले।

शैंपू और कंडीशनर की संवेदी जांच के परिणाम

ब्रांड / † मानदंड	कितने में से दिए गए अंक	क्लीनिक प्लस	सनसिल्क	पैंटीन	हेड एंड शॉल्डर	रेवलॉन	लॉरियल पेरिस	डव	हिमालया हर्बल	गार्नियर फ्रूक्टस	जोवीज़	लोटस हर्बल	बायोटिक
1.जब बालों में शैंपू लगाया जाए	**40**	35.4	35	34.2	34.6	34.6	27.4	33.8	32.4	33.4	31.8	34.4	25.8
2. गीले बालों का मूल्यांकन	**30**	24.8	21.6	19.4	22.6	19	21.2	20.6	22.8	17.6	22.2	20	16.4
3. कंडीशनर लगाने के समय	**30**	22.8	25.4	22.2	23.4	23.2	20.2	20	21.6	18.8	इस पर लागू नहीं	इस पर लागू नहीं	इस पर लागू नहीं
4. रूखे बालों का मूल्यांकन	**70**	48.2	50	50.2	43.2	46.8	49.4	42	41.6	46.2	37.8	37.4	34
5. सुगंध का मूल्यांकन	**20**	15.4	16	12.8	12.4	13.2	12.4	13.2	12.2	13.4	10.8	8.8	6
6. पानी की कितनी मात्रा करें इस्तेमाल (मि.ली.)		203.6	233.28	200	207.6	223.26	251.12	261.9	277.08	268.7	94.2	150.18	122.92

शैंपू और कंडीशनर करने के लिए पानी की कितनी मात्रा का इस्तेमाल किया गया, कुछ शैंपू कंडीशनर के साथ ही आते हैं उन पर यह लागू नहीं होता।

नोट : ऊपर दी गई टेबल में दर्शाए गए अंक में औसत अंकों के आधार पर दिए गए हैं।

† जांच की विभिन्न विशेषताएं :

1. **बालों में शैंपू लगाया जाए** : लगााने में आसान, झाग निकलने की क्षमता, झाग की मात्रा, धोने में आसान।
2. **गीले बालों का मूल्यांकन** : तेल और उसकी सुगंध आसानी से निकलना, बालों को अच्छे से साफ करना।
3. **कंडीशनर लगाने के समय** : लगाने में आसान, पानी की मात्रा और सुगंध की तीव्रता, साफ़ करने की क्षमता।
4. **रूखे बालों का मूल्यांकन** : कंघी करने में आसानी, बालों में चमक, लहराए हुए बाल, कितने सिल्की हैं बाल, तेल की सुगंध निकल जाती है, सुगंध की तीव्रता।
5. **सुगंध का मूल्यांकन** : तेल की सुगंध निकल जाती है, सुगंध की तीव्रता।

शैंपू और कंडीशनर के कार्यनिष्पादन का तुलनात्मक चार्ट

जांच के मापदंड / ब्रांड	भारांक %	शैंपू और कंडीशनर									शैंपू में ही कंडीशनर		
		क्लीनिक प्लस	हेड एंड शॉल्डर	सन. सिल्क	डव	पैंटीन	रेवलॉन#	गार्नियर फ्रूक्टस	लॉरियल पेरिस	हिमालया हर्बल'	लोटस हर्बल'	जेवीज़	बायोटिक'
1.0 शैंपू													
एमआरपी (रुपए में) / वॉल्यूम (मि.ली)		165/380	129/170	108/200	128/200	120/180	195/591.4	117/200	135/200	115/200	165/200	175/250	159/210
10 मि.ली. के आधार पर कीमत (रुपये में)		4.34	7.58	5.40	6.4	6.67	3.29	5.85	6.75	5.75	8.25	7.00	7.57
1.1 पैकिंग	3	2.75	2.75	2.25	2.5	2.75	2.75	2.75	2.25	2.75	2.5	3	2.25
1.2 मार्किंग / लेबलिंग	2	2	2	2	2	2	1.6	2	1.8	2	1.8	2	2
1.3 विस्कॉसिटी	3	2.79	2.31	2.24	1.92	2.11	1.32	2.06	1.00	0.73	2.55	0.77	1.67
1.4 एक्टिव उपकरण	14	12.45	12.81	12.26	13.51	11.07	9.73	9.58	7.40	5.11	9.08	8.03	8.53
1.5 गैर वाष्पशील तत्व	3	2.89	2.95	2.86	2.97	2.89	2.77	2.94	2.92	2.98	2.79	2.69	2.80
1.6 पीएच (pH)	2	1.60	1.98	1.78	1.79	1.78	1.79	1.60	1.57	1.57	1.78	1.99	1.59
1.7 झाग का आकार	5	4.91	5.00	4.83	4.83	4.75	4.91	5.00	4.58	4.66	4.75	4.66	4.83
1.8 मजबूत धातु (Pb,As)	2	1.95	1.85	2	1.80	2	1.80	1.80	2	2	2	2	2
1.9 अणुजीवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
कुल अंक (1.1 से 1.9)	**36**	**33.34**	**33.65**	**32.22**	**33.32**	**31.35**	**28.67**	**30.27**	**25.52**	**23.8**	**29.25**	**27.14**	**27.67**
2.0 कंडीशनर		**क्लीनिक प्लस**	**हेड एंड शॉल्डर**	**सन. सिल्क**	**डव**	**पैंटीन**	**रेवलॉन#**	**गार्नियर फ्रूक्टस**	**लॉरियल पेरिस**	**हिमालया हर्बल'**			
एमआरपी (रुपए में) / वॉल्यूम (मि.ली.)		47/80	69/90	108/180	64/90	59/75	195/591.4	130/180	150/180	130/200			
10 मि.ली. के आधार पर कीमत (रुपए में)		5.87	7.67	6	7.12	7.87	3.29	7.22	8.34	6.5			
2.1 पैकिंग	2	1.35	1.50	1.35	1.35	1.75	1.75	1.75	1.50	1.75			
2.2 मार्किंग / लेबलिंग	2	2.00	1.8	2.00	2.00	1.8	1.6	2.00	1.8	2.00	NA	NA	NA
2.3 विस्कॉसिटी	3	1.96	1.8	1.68	1.46	1.46	1.51	2.28	2.9	2.52			
2.4 थर्मल स्टेबिलिटी	2	2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	2.00			
2.5 नमी की मात्रा	5	3.97	3.83	4.92	4.49	3.32	4.01	3.99	4.27	4.02			
2.6 स्प्रेड एबिलिटी– होमोजेनिटी	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1			
2.7 पीएच (pH)	2	1.60	1.78	1.68	1.76	1.31	1.65	1.27	1.32	1.92			
2.8 अणुजीवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2			
2.9 कुल वसा पदार्थ	8	5.20	5.89	4.77	5.03	6.12	6.22	4.60	4.84	5.95	8.00	6.22	5.81
II. कुल अंक (2.1 से 2.9)	**27**	**21.08**	**21.6**	**21.4**	**21.09**	**20.76**	**21.74**	**20.89**	**21.63**	**23.16**	**8.00/8**	**6.22/8**	**5.81/8**
III. संवेदी समूह जांच (शैंपू और कंडीशनर)	**37**	**28.7**	**26.67**	**27.76**	**24.79**	**26.73**	**26.19**	**24.95**	**25.07**	**25.08**	**18.33/30**	**19.57/30**	**16.14/30**
कुल अंक (I+II+III)	100/74	83.12	81.92	81.38	79.2	78.84	76.6	76.11	72.22	72.04	55.58/74	52.93/74	49.62/74
कुल अंक : (राउंड ऑफ)	**100**	**83**	**82**	**81**	**79**	**79**	**77**	**76**	**72**	**72**	**75**	**72**	**67**

रेटिंग : >90 – बहुत अच्छा *****, 71.90. अच्छा****, 51.70. सामान्य ***, 31.50. खराब **, <30 – बहुत खराब

'हर्बल के आधार पर ब्रांड लेबल किए गए, # बड़े आकार के फैमिली पैक की कम कीमत, NA इस पर लागू नहीं होता, शैंपू में ही कंडीशनर मिश्रित है